विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

ISSN 0972-5636

भारतीय आधुनिक शिक्षा

वर्ष 33 | अंक 1 | जुलाई 2012

इस अंक में

संपादकीय		3
हिमालय है तो हम हैं	– शेखर पाठक	5
गांधी जी और उनकी शिक्षा नीति	– रवि भाटिया	31
सार्वभौमिक शिक्षक – क्यों, कौन, कैसे?	– अमित कुमार दवे एवं पूनम दवे	38
प्रवसन की पीड़ा और शिक्षा	– नन्द किशोर प्रसाद	44
शिक्षक दिवस के प्रति हमारी प्रतिबद्धता	– रश्मि श्रीवास्तव	50
सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन – चुनौतियाँ और संभावनायें	– अनुज कुमार	60
स्कूली शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य में सामुदायिक गान की सार्थकता	– लता पाण्डे	68
विनोबा जी के विचारों की प्रासंगिकता	– बृजेश कुमार पाण्डेय	79
वर्तमान में शिक्षण के बदलते आयाम – चुनौतियाँ एवं संभावनाएं	– अरुण कुमार वर्मा	88
विश्वविद्यालयों का रूप	– रवींद्रनाथ टैगोर	94

कक्षा नवीं स्तर पर मूल्य विवेचना प्रतिमान की प्रभाविकता का सामाजिक मूल्य एवं प्रतिक्रियाओं के संदर्भ में अध्ययन	– मधुलिका वर्मा एवं दीपमाला यादव	108
बी. एड. प्रशिक्षणार्थियों की हिंदी लेखन में वर्तनीगत शुद्धता पर शिक्षण माध्यम, वर्ग, जेंडर एवं पृष्ठभूमि के प्रभाव का अध्ययन	– महेंद्र पाटीदार एवं जितेंद्र कुमार पाटीदार	117